ECONOMICS TIMES N.D 14/1118

संस्थागत निवेशकों ने नीरज कंवर के कंपनसेशन पर जताई थी आपत्ति

अपोलो टायर्स के प्रमोटर्स 30% कम सैलरी पर माने

संशोधित प्रस्ताव के मुताबिक प्रमोटर्स का टोटल कंपनसेशन कंपनी के 7.5% प्रॉफिट बिफोर टैक्स से ज्यादा नहीं होगा

ईटी ब्यूरो नई दिल्ली

अपोलो टायर्स ने प्रमोटर्स के अपना कंपनसेशन यानी सैलरी पैकेज घटाने का प्रस्ताव तैयार किया है। यह कदम नीरज कंवर को कंपनी का मैनेजिंग डायरेक्टर फिर से बनाए जाने पर संस्थागत निवेशकों की आपत्ति के बाद उठाया गया है। कंवर को कंपनी से मोटे कंपनसेशन पर सितंबर में ऐतराज जताया गया था। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को दी सूचना में कहा है कि संशोधित प्रस्ताव से दोनों प्रमोटरों नीरज कंवर और ओंकार एस कंवर का टोटल कंपनसेशन लगभग 30% घट जाएगा।

अपोलो टायर्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की नॉमिनेशन एंड रिम्यूनरेशन कमेटी (NRC) ने संस्थागत निवेशकों के साथ विचार-विमर्श के बाद एमडी के कंपनसेशन स्ट्रक्चर और एमाउंट की बेंचमार्किंग करने पर अर्न्स्ट एंड यंग की तरफ से जारी इंडिपेंडेंट रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए संशोधित प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया है।

शेयरहोल्डर्स के अप्रूवल की रिकमंडेशन के साथ जारी संशोधित प्रस्ताव के मुताबिक प्रमोटर्स का टोटल कंपनसेशन कंपनी के 7.5% प्रॉफिट बिफोर टैक्स (PBT) से ज्यादा नहीं होगा। परफॉर्मेंस लिंक्ड रेम्यूनरेशन टोटल कंपनसेशन का लगभग 70% होगा और प्रमोटर के कंपनसेशन में तय हिस्से में बढ़ोतरी कंपनी के सीनियर प्रोफेशनल्स के इंक्रीमेंट के हिसाब से होगी। NRC ने यह भी कहा है कि इसे समय के साथ घटाकर मैक्सिमम 7.5% तक सीमित किया जाएगा। इसे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। अपोलो टायर्स ने बताया कि चेयरमैन ओंकार एस कंवर और वाइस चेयरमैन नीरज कंवर दोनों बोर्ड की नई सिफारिशों को मानते हुए मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए तंत्काल प्रभाव से कम कंपनसेशन को तैयार हैं।

बोर्ड ने 28 मई 2019 से 31 मार्च 2014 के लिए नीरज के री-अप्वाइंटमेंट पर शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मांगी है। ईटी ने सबसे पहले 28 सितंबर को खबर छापी थी कि कंपनी के माइनॉरिटी शेयरहोल्डर्स ने ज्यादा कंपनसेशन के चलते एमडी पोस्ट पर नीरज की फिर से नियुक्ति पर ऐतराज जताया है। नीरज का एनुअल कंपनसेशन 2017 में 42.8 करोड़ रुपये **का था, जो 2016 के 30 करोड़ रुपये के मुकाबले 43%** ज्यादा था।

नीरज कंवर का एनुअल कंपनसेशन 2017 में 42.8 करोड़ रुपये का था, जो 2016 के 30 करोड़ रुपये के मुकाबले 43% ज्यादा था

2017 में अपोलो टायर्स का एनुअल स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 23% गिरकर 622.4 करोड़ रुपये रह गया था। कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट भी इसी तरह 34% की गिरावट के साथ 724 करोड़ रुपये रह गया था। मंगलवार को जारी सितंबर क्वॉर्टर के रिजल्ट के मुताबिक अपोलो टायर्स का नेट प्रॉफिट 4% सालाना ग्रोथ के साथ 146 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल 140 करोड़ रुपये था।

सितंबर क्वॉर्टर में सेल्स सालाना आधार पर 23% बढ़कर 4192 करोड़ रुपये हो गए जबकि टोटल इनकम 22% बढ़कर 4269 करोड़ रुपये रही। टोटल एक्सपेंस 22.5% बढ़कर 4032.4 करोड़ रुपये हो गया। अपोलो टायर्स के चेयरमैन ओंकार कंवर ने कहा, 'सितंबर क्वॉर्टर में हमारे दो प्लांट्स को बाढ़ से नुकसान हुआ। घरेलू बाजार में ट्रांसपोर्टर्स की हड़ताल का सामना करना पड़ा। रॉ मैटीरियल के दाम में उतार चढ़ाव हुआ फिर भी हमारी टीम ने हर भौगोलिक क्षेत्र में शानदार परफॉर्मेंस दी।'